एम. ए./एम.एससी भूगोल	कार्यक्रम कोड : एमए/एमएससीजीई
M. A./M.Sc. Geography	Programme Code : MA/MScGE

उद्देश्य (Objectives) :

- दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से मौलिक ज्ञानार्जन द्वारा भावी विशेषज्ञता को संधारित करना।
- भूगोल के विषयगत विकास की प्रवृत्तियों का संयोजन।
- विद्यार्थियों को 'भौतिक भूगोल' के व्यावहारिक पक्ष से परिचित करवाना।
- समसामयिक परिप्रेक्ष्य में भूगोल के आर्थिक सिद्धान्तों की प्रस्थापना।
- पर्यावरणीय भूगोल का ज्ञान प्रदान कर दक्षता विकसित करना।
- अखिल भारतीय/राजस्थान प्रशासनिक सेवाओं में चयन की सामर्थ्य का विकास।

प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility) :

एम. ए. भूगोल में प्रवेश हेतु किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी संकाय में स्नातक (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) उपाधि।

एम.एससी भूगोल में प्रवेश हेतु किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.एससी उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके लिये यह आवश्यक है कि बीएससी में भूगोल विषय रहा हो।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 2 वर्ष ; अधिकतम 6 वर्ष।

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 80
एम.ए./एम.एससी. (पूर्वार्द्ध) 40
एम.ए./एम.एससी. (उत्तरार्द्ध) 40

शुल्क (Fee) : पूर्वार्द्ध रू. 6000/–(2000 रूपये सम्पर्क शिविर शुल्क सहित)
उत्तरार्द्ध रू. 6000/–(2000रूपये सम्पर्क शिविर शुल्क सहित))

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

एम.ए./एम.एससी भूगोल के पूर्वार्द्ध तथा उत्तरार्द्ध में पाँच–पाँच पाठ्यक्रम होंगे। इनमें से चार पाठ्यक्रम सैद्धान्तिक तथा एक पाठ्यक्रम प्रायोगिक का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम 8 श्रेयांक का होगा। विद्यार्थियों को हिन्दी माध्यम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी।

प्रायोगिक कार्य निष्पादन हेतु प्रति वर्ष 20 दिन के एक शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिसमें कुल 60 घंटों का प्रायोगिक कार्य सम्पन्न करना होगा।

एम.ए./एम.एससी (पूर्वार्द्ध) भूगोल

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	भौगोलिक चिन्तन का विकास *Evolution of Geographical Thought*	एमए/एमएससी जीई–01 *MA/MSc GE-01*	*8*
2.	भौतिक भूगोल *Physical Geography*	एमए/एमएससी जीई–02 *MA/MSc GE-02*	*8*
3.	आर्थिक भूगोल के सिद्धांत *Principles of Economic Geography*	एमए/एमएससी जीई–03 *MA/MSc GE-03*	*8*
4.	पर्यावरण भूगोल *Geography of Environment*	एमए/एमएससी जीई–04 *MA/MSc GE-04*	*8*
5.	प्रायोगिक भूगोल *Practical Geography*	एमए/एमएससी जीई–05 *MA/MSc GE-05*	*8*

एम.ए./एस.एससी (उत्तरार्द्ध) भूगोल

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	भारत का वृहद भूगोल *Geography of India*	एमए/एमएससी जीई–06 *MA/MSc GE-06*	*8*
2.	कृषि भूगोल *Geography of Agriculture*	एमए/एमएससी जीई–07 *MA/MSc GE-07*	*8*
3.	राजनीतिक भूगोल *Political Geography*	एमए/एमएससी जीई–08 *MA/MSc GE-08*	*8*
4.	नगरीय भूगोल *Urban Geography*	एमए/एमएससी जीई–09 *MA/MSc GE-09*	*8*
5.	प्रायोगिक भूगोल *Practical Geography*	एमए/एमएससी जीई–10 *MA/MSc GE-10*	*8*

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

सत्रीय गृहकार्यः प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय गृहकार्य 20 अंकों का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में दो सत्रीय गृहकार्य दिये जाएंगे। सत्रीय गृहकार्य पूर्ण करके संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र पर जमा करवाना होगा। एम.ए./एम.एससी पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध भूगोल के पाठ्यक्रम कोड एमए/एमएससी जीई–05 एवं एमए/एमएससी जीई–10 प्रायोगिक भूगोल का है जिसमें कोई सत्रीय गृहकार्य नहीं दिया जायेगा।

सत्रांत (मुख्य) परीक्षाः एम.ए. (पूर्वार्द्ध) एवं एम.ए. (उत्तरार्द्ध) न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष के बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम की तीन घंटे की लिखित परीक्षा होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा के लिए अधिकतम 80 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम के दोनों भागों अर्थात सत्रांत परीक्षा एवं सत्रीय गृहकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में मिलाकर उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत हैं। परन्तु किसी एक भाग सत्रीय गृहकार्य अथवा सत्रांत परीक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। यदि विद्यार्थी कुछ पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 56 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है।

सत्रांत (मुख्य) प्रायोगिक परीक्षा : एम.ए./एम.एससी पूर्वार्द्ध (भूगोल) की प्रायोगिक परीक्षा में अंकों का वितरण निम्न प्रकार होगा। प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होने के लिए अलग से 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है।

1.	प्रयोगशाला कार्य पर लिखित परीक्षा	4 घंटे	40 अंक
2.	रिकॉर्ड वर्क एवं मौखिक परीक्षा	20+10	30 अंक
3.	प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं मौखिक परीक्षा	20+10	30 अंक

अंक तालिका में सत्रीय कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग–अलग दर्शाया जायेगा। विद्यार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्र अलग–अलग उत्तीर्ण करने होंगे। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60% एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48% एवं 60% से कम
उत्तीर्ण	–	36% एवं 48% से कम

एम.ए./एम.एससी उत्तरार्द्ध (भूगोल) की प्रायोगिक परीक्षा में अंकों का वितरण निम्न प्रकार होगा :

1.	प्रयोगशाला कार्य पर लिखित परीक्षा	4 घंटे	40 अंक
2.	रिकॉर्ड वर्क एवं मौखिक परीक्षा	15+5	20 अंक
3.	फील्ड सर्वे एवं मौखिक परीक्षा	15+5	20 अंक
4.	प्राजेक्ट रिर्पोट एवं मौखिक परीक्षा	15+5	20 अंक

एम.ए./एम.एससी (पूर्वार्द्ध) परीक्षा में कोई श्रेणी नहीं दी जाएगी।